मयंक भारतीय टीम के अनुभव साझा कर जूनियर खिलाड़ियों को करते हैं प्रेरित – सिमरजीत

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी धमाकेदार वापसी दर्ज की है। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में पहले गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को छोटे स्कोर पर समेटने में कामयाबी पाई, जिसके बाद बल्लेबाजों ने संयम और सूझबूझ का परिचय देते हुए लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। जीत के बाद टीम के कप्तान सिमरजीत सिंह ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स की रणनीति और बदली हुई मानसिकता पर विस्तार से बात की।

उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बावजूद, टीम ने अब मजबूत मानसिकता के साथ वापसी का फैसला किया है। खिलाड़ियों ने हर मुकाबले को अनावश्यक दबाव में लेने के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया है। सिमरजीत के अनुसार, टीम का मुख्य उद्देश्य कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशंसकों को अपनी वास्तविक क्षमता दिखाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम अन्य टीमों की प्लेआफ संभावनाओं के बारे में नहीं सोच रही, बल्कि उनका पूरा ध्यान अपने प्रदर्शन में सुधार करने और आगामी घरेलू व राज्य स्तरीय क्रिकेट के लिए बेहतर तैयारी करने पर है।

खिलाड़ियों का प्रयास है कि पहले हुई गलतियों से सबक सीखकर उन्हें भविष्य में न दोहराया जाए और टूर्नामेंट का समापन बेहतरीन प्रदर्शन के साथ किया जाए।

कप्तान सिमरजीत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव की भी जमकर सराहना की, जिन्होंने मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया। सिमरजीत ने बताया कि मयंक भारतीय टीम के साथ अपने अनुभव और दिलचस्प किस्से साथी खिलाड़ियों, खासकर युवा और जूनियर खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, जिससे उन्हें बहुत प्रेरणा मिलती है। उनके अनुसार, मयंक दिल्ली क्रिकेट से गहराई से जुड़े हुए हैं और टीम के साथ एक सहज और सकारात्मक माहौल बनाए रखते हैं, जो खिलाड़ियों को खुलकर प्रदर्शन करने में मदद करता है। सिमरजीत ने अपनी और मयंक की गेंदबाजी साझेदारी के बारे में बताते हुए कहा कि दबाव वाले मुकाबलों में वे दोनों लगातार आपस में बातचीत करते हैं। वे मैच की स्थिति के अनुसार अपनी गेंदबाजी रणनीति तय करते हैं, इस बात पर चर्चा करते हैं कि किस समय किस गेंदबाज को आक्रमण करना चाहिए और टीम के लिए कौन सा विकल्प सबसे प्रभावी रहेगा। इस बेहतरीन तालमेल से विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखने में मदद मिलती है।

न्यूज ब्रीफ

एफआईएच हाकी विश्वकप के दूसरे दौर में नीदरलैंड्स ने भारतीय टीम को 3-1 से हराया, सेमीफाइनल की राह हुई कठिन

एम्सटलवीन। भारतीय पुरुष हाकी टीम को एफआईएच हाकी विश्वकप के दूसरे दौर में नीदरलैंड्स ने 3-1 से हरा दिया। ओलंपिक विजेता के खिलाफ हुए मैच में भारतीय टीम ने काफी प्रयास किया पर वह जीत हासिल करने में विफल रही। इस हार के साथ भारतीय टीम के लिए टूर्नामेंट में आगे जान बेहद कठिन हो गया है। भारतीय टीम ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की पर वह डच टीम के सामने टिक नहीं पायी। मैच के पहले और दूसरे क्वार्टर में भारतीय रक्षापंक्त ने डच आक्रमक को विफल करने में सफलता हासिल की पर इसके बाद वह इसे बरकरार नहीं रख पायी। मध्यांतर तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर था पर इसके बादा नीदरलैंड्स के खिलाड़ी गोल करने में सफल रहे। हाफटाइम के बाद, नीदरलैंड्स ने अपनी गति और बढ़ा दी। भारतीय टीम ने भी शुरुआत में कुछ हमले किये पर वह उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। मैच के 41वें मिनट में डच टीम ने एक गोल कर स्कोर 1-0 से आगे कर दिया। नीदरलैंड्स के खिलाड़ी डुको टेलजेनकम्प ने भारतीय रक्षापंक्ति की कमी का लाभ उठाते हुए एक शानदार फील्ड गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बड़ी बढ़त दिलाई। इस मैच का अंतिम और चौथा क्वार्टर बेहद रोमांचक और नाटकीय रहा। 1-0 से पिछड़ने के बाद, भारतीय टीम ने बराबरी के प्रयास शुरु कर दिये। डच टीम ने इसी बीच एक गोल दाग दिया। इससे स्कोर 2-0 हो गया और भारत की मुश्किलें बढ़ गईं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 52वें मिनट में एक गोल कर स्कोर 2-1 पर पहुंच दिया।

दूसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

मैके (आस्ट्रेलिया)। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी के दम पर आस्ट्रेलिया ने मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरीना में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट नौ विकेट से जीता था, लेकिन दूसरे मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। मिचेल स्टार्क आस्ट्रेलिया की जीत के सबसे बड़े नायक रहे। उन्होंने दूसरे मैच में कुल 10 विकेट चटकाए और उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। स्टार्क को सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द सीरीज का पुरस्कार भी मिला। उन्होंने दो मैचों में कुल 12 विकेट अपने नाम किए। दूसरे टेस्ट का फैसला महज दो दिन में हो गया। दूसरे दिन आस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 165 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और 210 रन पर आलआउट हो गई। इस तरह उसे पहली पारी में बांग्लादेश के खिलाफ 146 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। आस्ट्रेलिया की ओर से कैमरन ग्रीन ने 105 गेंदों में सर्वाधिक 67 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 42, नाथन लियोन 32 और ट्रेविस हेड ने 22 रन का योगदान दिया।

साउथ दिल्ली पर जीत के बाद शिवी शर्मा बोलीं- हर मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना लक्ष्य

नई दिल्ली। महिला दिल्ली प्रीमियर लीग-2026 (डीपीएल) में दूसरे मैच में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के

खिलाफ नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली सलामी बल्लेबाज शिवी शर्मा ने कहा कि जब भी वह मैदान पर उतरती हैं, तो एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में अभी कई मैच बाकी हैं और उनका लक्ष्य हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने महिला डीपीएल -2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 10 रन से हरा दिया। नार्थ दिल्ली की जीत में शिवी शर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 54 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से नाबाद 71 रन की शानदार पारी खेली। अपनी बल्लेबाजी को लेकर शिवी ने कहा कि इस मैच की पारी और पिछले मैच की पारी में ज्यादा अंतर नहीं था। पिछले मैच में हम लक्ष्य का पीछा कर रहे थे, इसलिए मैंने गेंद की मेरिट के हिसाब से खेला। हमें लक्ष्य निर्धारित करना था, इसलिए हम जितने ज्यादा रन बना सकते थे, टीम के लिए उतना ही बेहतर था। मैं सिर्फ परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहती थी। पिच के बारे में शिवि ने कहा, विकेट काफी अच्छे हैं और निश्चित रूप से बल्लेबाजों की मदद करते हैं। चाहे हम लक्ष्य का पीछा कर रहे हों या लक्ष्य निर्धारित कर रहे हों, अगर मैं गेंद की मेरिट के हिसाब से खेलती हूं।

फाजिल्का फाल्कन्स की कप्तानी को लेकर उत्साहित शुभमन गिल, बोले- हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का समूह

चंडीगढ़

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में हिस्सा ले रही फाजिल्का फाल्कन्स की कमान संभालने को लेकर भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल खासे उत्साहित हैं। उन्होंने टीम में युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलने को लेकर कहा कि यह टूर्नामेंट उनके लिए भी सीखने और अनुभव साझा करने का शानदार मौका होगा। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की शुरुआत 30 अगस्त से चंडीगढ़ के आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम में होगी। खिताब के लिए छह टीमें आमने-सामने होंगी, जिसमें पंजाब के कई होनहार युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। फाजिल्का फाल्कन्स की कप्तानी भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट एवं वनडे कप्तान शुभमन गिल करेंगे।

कप्तानी और टीम को लेकर शुभमन गिल ने एक बयान में कहा कि मैं फाजिल्का फाल्कन्स की कप्तानी करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमारे पास प्रतिभाशाली और रोमांचक खिलाड़ियों का समूह है। मैं टीम के साथ काम करने और सभी के साथ मिलकर खेलने को लेकर उत्सुक हूं। यह हम सभी के लिए एक-दूसरे से सीखने और अच्छा क्रिकेट खेलने का शानदार अवसर होगा।

गिल ने पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन की भी सराहना की, जिसने इस लीग का आयोजन कर युवा क्रिकेटरों को अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया है।

उन्होंने कहा कि क्रमैं शेर-ए-पंजाब टी20 लीग के आयोजन के लिए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन को धन्यवाद देना चाहता हूं। यह पंजाब के युवा और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मंच है। उन्हें अनुभवी और गुणवत्ता वाले खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने, अनुभव हासिल करने और अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है। उम्मीद है कि इनमें से कई खिलाड़ी इस टूर्नामेंट को बड़े अवसरों की ओर बढ़ने के लिए एक सीढ़ी के रूप में इस्तेमाल कर पाएंगे।

गिल फाजिल्का फाल्कन्स के युवा खिलाड़ियों के साथ अपना अनुभव साझा करने को लेकर भी उत्साहित हैं। उनका मानना है कि आत्मविश्वास, मैच की परिस्थितियों को समझना और दबाव में सही फैसले लेने की क्षमता युवा क्रिकेटरों के लिए बेहद जरूरी है।

गिल ने कहा, युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता पर विश्वास रखना और दबाव की स्थिति में शांत रहना बहुत जरूरी है। मैं उन्हें खेल को बेहतर तरीके से समझने में मदद करना चाहता हूं, चाहे वह परिस्थितियों को पढ़ना हो, सही फैसले लेना हो या दबाव को संभालना। ये चीजें अनुभव के साथ आती हैं और अगर मैं अपने अनुभव से सीखी हुई बातें उनके साथ साझा कर पाऊं तो यह मेरे लिए भी एक अच्छा अवसर होगा।

फाजिल्का फाल्कन्स के लिए टूर्नामेंट जीतना निश्चित रूप से प्राथमिक लक्ष्य होगा, लेकिन गिल के अनुसार लीग की बड़ी सफलता इस बात से भी तय होगी कि यह युवा खिलाड़ियों के लिए कितने नए अवसर पैदा करती है।

गिल ने कहा, बेशक, हम ट्राफी जीतने का लक्ष्य रखेंगे लेकिन मेरे लिए सफलता का मतलब यह भी होगा कि हमारी टीम के युवा खिलाड़ी पूरे टूर्नामेंट के दौरान कितना विकास करते हैं।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में राज्य के उभरते हुए कई क्रिकेटरों के एक मंच पर आने से प्रतियोगिता और रोमांचक होने की उम्मीद है। फाजिल्का फाल्कन्स के कप्तान के रूप में शुभमन गिल की मौजूदगी टीम में अनुभव के साथ-साथ उत्साह भी बढ़ाएगी।

माइकल वान ने मौजूदा पाक टीम को बताया डरपोक

लंदन

इंग्लैंड से शर्मनाक हार के बाद कड़ी आलोचना

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। मेजबान इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पारी और 103 रन से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पाकिस्तान का प्रदर्शन बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभागों में निराशाजनक रहा, और टीम महज तीन दिन के भीतर दोनों पारियों में आलआउट हो गई। इस शर्मनाक हार के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने पाकिस्तानी टीम के प्रदर्शन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में कभी इतनी डरपोक टीम नहीं देखी। पाकिस्तान की टीम पहली पारी में केवल 170 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड ने मजबूत बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए और 238 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। पाकिस्तान के सामने दूसरी पारी में मुकाबले में वापसी करने की बड़ी चुनौती थी, लेकिन उनकी बल्लेबाजी एक बार फिर पूरी तरह विफल रही। पूरी टीम 37.3 ओवर में सिर्फ 135 रन बनाकर ढेर हो गई और इंग्लैंड ने मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया।

पाकिस्तान की ओर से पहले टेस्ट में अब्दुल्ला शफीक ने 61 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज टीम को मजबूत स्थिति में नहीं पहुंचा सका। इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने पाकिस्तानी बल्लेबाज लगातार संघर्ष करते नजर आए। गेंदबाजी में भी पाकिस्तान विपक्षी बल्लेबाजों पर पर्याप्त दबाव बनाने में सफल नहीं रहा, जबकि क्षेत्ररक्षण में हुई गलतियों ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं। माइकल वान ने पाकिस्तान के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टीम को पूरी तरह रौंद दिया गया और दोनों टीमों के बीच कौशल तथा स्तर का अंतर साफ दिखाई दिया। उनके अनुसार, पाकिस्तान की रणनीति प्रभावी नहीं थी और मौजूदा टीम में वह आक्रामकता तथा संघर्ष का जज्बा नजर नहीं आया, जिसके लिए पाकिस्तानी क्रिकेट पहले जाना जाता रहा है।

वान ने कहा कि पिछली कई पाकिस्तानी टीमों को देखने के बाद मौजूदा टीम को इस तरह कमजोर स्थिति में देखना निराशाजनक है। पाकिस्तान इंग्लैंड दौरे पर कुछ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ पहुंचा था, लेकिन पहले टेस्ट में खिलाड़ी लय हासिल नहीं कर सके।

बीजिंग में ह्यूमेनायड रॉबोट गेम्स के उद्घाटन

चीन की राजधानी बीजिंग में ह्यूमेनायड रॉबोट गेम्स के उद्घाटन समारोह में परेड करते हुए ह्यूमेनायड रॉबोट।

पुर्तगाल के युवा फुटबालर क्वेविन कास्त्रो की मैच के दौरान हुई मौत

लिस्बन

पुर्तगाल में एक मैच के दौरान ही फुटबालर की मौत का मामला सामने आया है। इससे खेल जगत सदमें में है। एक रिपोर्ट के अनुसार मिडफील्डर क्वेविन कास्त्रो एक मैत्री मैच के दौरान ही मैदान पर गिर गये। ये दर्दनाक घटना लिस्बन के मालवीरा स्थित एस्टादियो डास सेइक्सास स्टेडियम में हुई, जहां कास्त्रो अपनी वर्तमान टीम रियल स्पोर्ट्स क्लब की ओर से एस्त्रेला डी अमाडोरा के खिलाफ एक सत्र-पूर्व मैच खेल रहे थे।

लिस्बन फुटबाल एसोसिएशन और क्वेविन के क्लब रियल स्पोर्ट्स ने कहा कि सब कुछ ठीक चल रहा था तभी क्वेविन अचानक ही लड़खड़ाकर गिर पड़े। वहां मौजूद चिकित्सा दल ने तुरंत उन्हें सहायता प्रदान करने का प्रयास किया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनकी असामयिक और अप्रत्याशित मृत्यु ने स्टेडियम में मौजूद सभी लोगों, साथी खिलाड़ियों, प्रशंसकों और खेल अधिकारियों को सदमें में डाल दिया है। पुर्तगाल के खेल प्रेमियों के लिए यह करार झटका है, क्योंकि एक उभरता हुआ सितारा दुनिया से विदा हो गया।

रियल स्पोर्ट क्लब ने इस घटना पर अपना दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। क्लब ने लिखा, कास्त्रो सिर्फ एक खिलाड़ी से कहीं बढ़कर थे। वह हमारे परिवार का एक अभिन्न हिस्सा थे और उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर, उन सभी लोगों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी, जिन्हें उन्हें जानने का सौभाग्य मिला। उनकी ऊर्जा, समर्पण और मुस्कान हमेशा हमारे साथ रहेगी। इस दुख की घड़ी में, हम उनके परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। यह भावुक संदेश वैश्विक फुटबाल समुदाय में शोक की लहर दौड़ा गया है। वहीं इंग्लैंड के उनके पूर्व क्लब वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन ने भी कास्त्रो के असामयिक निधन पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की। कास्त्रो का निधन सिर्फ उनके क्लब या देश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक फुटबाल समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। वह एक युवा, प्रतिभाशाली और समर्पित खिलाड़ी थे जिनके सामने पूरा करियर पड़ा था। उनकी अप्रत्याशित विदाई ने एक बार फिर खेल के दौरान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है।

डुरंड कप फाइनल में ईस्ट बंगाल और मोहन बागान का हाई वोल्टेज मुकाबला, राजनाथ सिंह और शुभेंदु अधिकारी रहेंगे मौजूद

कोलकाता

डुरंड कप के फाइनल मुकाबले को लेकर कोलकाता के युवभारती क्रीड़ांगन में रोमांच चरम पर होगा। फाइनल में कोलकाता की दो परंपरागत प्रतिद्वंदी टीम ईस्ट बंगाल और मोहन बागान आमने-सामने होंगी। ऐतिहासिक डुरंड कप के साथ यह मुकाबला कोलकाता डर्बी होने के कारण और भी खास हो गया है।

मैदान के अंदर खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा, तो वहीं गैलरी में भी हाई प्रोफाइल मेहमानों की मौजूदगी मैच की चमक बढ़ाएगी।

तय कार्यक्रम के मुताबिक केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी फाइनल मुकाबला देखने युवभारती क्रीड़ांगन पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के शाम करीब 5 बजे स्टेडियम पहुंचने की बात है, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कुछ देर बाद मैदान में पहुंच सकते हैं।

इसके अलावा कई वरिष्ठ मंत्री और सेना के अधिकारी भी मैच के दौरान मौजूद रहेंगे। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद यह दूसरा बड़ा डर्बी मुकाबला है।

अगर टीम संयोजन और खिलाड़ियों की बात करें तो मोहन बागान की टीम ईस्ट बंगाल से मजबूत नजर आती है। घरेलू खिलाड़ियों के साथ-साथ विदेशी खिलाड़ियों के मामले में भी मोहन बागान के पास बेहतर विकल्प हैं। मैकलारेन, अल्बर्टो और मिगुएल जैसे विदेशी खिलाड़ियों के अलावा टीम के पास भारतीय राष्ट्रीय टीम के कई खिलाड़ी भी हैं।

हालांकि ईस्ट बंगाल को अपने कोच एंटोनियो हाबास पर पूरा भरोसा है। हाबास को हाल के वर्षों में भारतीय फुटबाल के सबसे सफल कोचों में गिना जाता है। उनकी मजबूत रक्षात्मक रणनीति ईस्ट बंगाल के लिए फाइनल में बड़ा हथियार साबित हो सकती है।

सेमीफाइनल में दिल्ली के खिलाफ ईस्ट बंगाल की रक्षापंक्ति से कुछ गलतियां हुई थीं, लेकिन फाइनल में संदीप मंडी और जय गुप्ता जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। ईस्ट बंगाल के लिए सबसे बड़ी चिंता स्ट्राइकर पोजीशन को लेकर है। हाबास के सामने यह सवाल होगा कि निर्णायक मुकाबले में किस खिलाड़ी पर भरोसा किया जाए।

दूसरी ओर मोहन बागान के कोच ने सेमीफाइनल में मैकलारेन और मिगुएल को थोड़े समय के लिए मैदान पर उतारकर उन्हें फाइनल के लिए मैच अभ्यास भी दिलाया है। वहीं ईस्ट बंगाल के विदेशी विकल्पों में रशिद प्रमुख नाम हैं, जबकि रैमिरेज और इकोनोमिडिस अभी अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में नहीं दिखे हैं।

ऐसे में माना जा रहा है कि मोहन बागान भले ही मजबूत नजर आ रहा हो, लेकिन फाइनल जैसे मुकाबले में अनुभव और रणनीति भी निर्णायक भूमिका निभाती है। ईस्ट बंगाल के प्रशंसकों को उम्मीद होगी कि एंटोनियो हाबास की रणनीति उनकी टीम को डुरंड कप की ट्राफी तक पहुंचाएगी।